सच कहने की ताकत

साप्ताहिक समाचार पत्र

जालंधर ब्रीज

जल है तो कल है

www.jalandharbreeze.com • JALANDHAR BREEZE • WEEKLY • YEAR-5 • 08 SEPTEMBER TO 14 SEPTEMBER 2023 • VOLUME 7 • PAGE-4 • RATE-3.00/- • RNI NO.: PUNHIN/2019/77863

प्रेरणा

अपनी उर्जा को चिंता करने में खत्म करने से बेहतर है, इसका उपयोग समाधान ढूंढने में किया जाए।

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE

CONSULTING DESIGN TRAINING

ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

✓ STUDY ✓ WORK ✓ SETTLE IN ABROAD

Low Filing Charges &

*Pay Money after the Visa

•IELTS •STUDY ABROAD

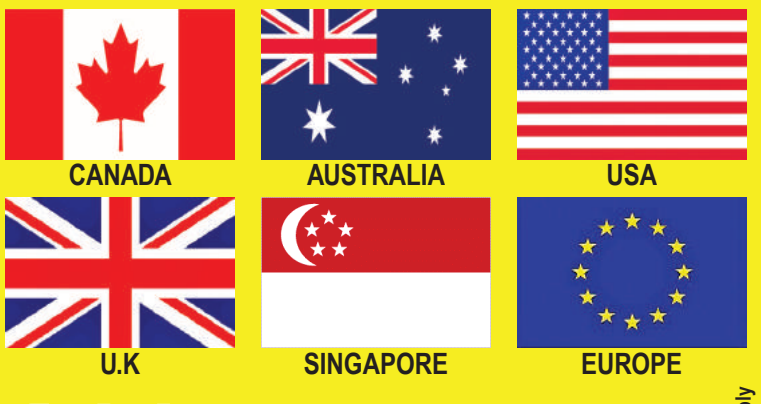

E-mail : hr@innovativetechin.com • Website : www.innovativetechin.com • FB/Innovativetechin • Contact : 9988115054 • 9317776663

REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. HEAD OFFICE : S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University. Phagwara.

*T&C apply

आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में मोदी ने पेश किया 12 सूत्री प्रस्ताव

जकार्ता : प्रधानमंत्री ने 7 सितंबर 2023 को जकार्ता में 20वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन और 18वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन (ईएएस) में भाग लिया। आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री ने आसियान-भारत व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ बनाने और इसके भविष्य की रूपरेखा तैयार करने पर आसियान भागीदारों के साथ व्यापक चर्चा की। प्रधानमंत्री ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में आसियान की केंद्रीयता की पुष्टि की और भारत के हिंद-प्रशांत महासागर पहल (आईपीओआई) और हिंद-प्रशांत पर आसियान दृष्टिकोण (एओआईपी) के बीच तालमेल को रेखांकित किया। उन्होंने आसियान-भारत एफटीए (एआईटीआईजीए) की समीक्षा को समयबद्ध तरीके से पूरा करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

प्रधानमंत्री ने भारत-आसियान सहयोग को मजबूत बनाने हेतु कनेक्टिविटी, डिजिटल परिवर्तन, व्यापार और आर्थिक सहभागिता, समकालीन चुनौतियों का समाधान, जनता के बीच आपसी संपर्क और रणनीतिक सहभागिता को प्रगाढ़ बनाने जैसे मुद्दों को शामिल करते हुए एक 12-सूत्री प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जो इस प्रकार है: पहला दक्षिण-पूर्व एशिया-भारत-पश्चिम एशिया-यूरोप को जोड़ने वाले मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और आर्थिक गलियारे की स्थापना, दूसरा आसियान साझेदारों के साथ भारत के डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर स्टैक को साझा करने की पेशकश, तीसरा डिजिटल परिवर्तन और वित्तीय कनेक्टिविटी में सहयोग पर ध्यान केंद्रित करते हुए डिजिटल भविष्य के लिए आसियान-भारत कोष की घोषणा, चौथा हमारी सहभागिता बढ़ाने के लिए ज्ञान साझेदार के रूप में कार्य करने हेतु आसियान और पूर्वी एशिया के आर्थिक और अनुसंधान संस्थान (ईआरआईए) को समर्थन की पुन:स्थापना की घोषणा, पांचवां विकासशील देश (ग्लोबल साउथ) के समक्ष आने वाले मुद्दों को बहुपक्षीय मंचों पर सामूहिक रूप से उठाने का आह्वान, छठा आसियान देशों को भारत में डब्ल्यूएचओ द्वारा स्थापित किए जा रहे ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन में शामिल होने का आमंत्रण, सातवां मिशन लाइफ पर एक साथ काम करने का आह्वान, आठवां जन-औषधि केंद्रों के माध्यम से लोगों को किफायती और गुणवत्तापूर्ण दवाएं प्रदान करने संबंधी भारत के अनुभव को साझा करने की पेशकश, नौवां आतंकवाद, आतंक के वित्तपोषण और साइबर-दुष्प्रचार के खिलाफ सामूहिक लड़ाई का आह्वान, दसवां आसियान देशों को आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रण, ग्यारहवां आपदा प्रबंधन में सहयोग का आह्वान और बारहवां समुद्री सुरक्षा, संरक्षा और डोमेन कार्य क्षेत्र जागरूकता पर सहयोग बढ़ाने का आह्वान।

G20 सम्मेलन का काउंटडाउन शुरू

नई दिल्ली. भारत की राजधानी दिल्ली में आयोजित होने जा रहे जी20 शिखर सम्मेलन को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी है। जी20 शिखर सम्मेलन का आयोजन दिल्ली के प्रगति मैदान के नवनिर्मित अत्याधुनिक भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में होना है। इस सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए कुल 20 देशों के नेता अपनी टीमों के साथ दिल्ली आने वाले है। शुक्रवार से तीन दिनों के लिए दिल्ली में होने वाले शिखर सम्मेलन में सभी नेता मिलकर अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, बुनियादी ढांचे, सतत विकास जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करेंगे।

ये देश हैं शामिल : जी20 शिखर सम्मेलन में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, कोरिया, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, तुर्किये, यूके और यूएस शामिल है। उनके अलावा यूरोपीय यूनियन के भी 27 सदस्य देश इसमें शामिल है। जी20 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए भारत की ओर से कई देशों को न्यौता भेजा गया है जिसमें नीदरलैंड, सिंगापुर, स्पेन, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, बांग्लादेश, मिस्र, मॉरीशस और नाइजीरिया शामिल है। इसके लिए यूक्रेन को न्यौता नहीं मिला है।

ये नेता करेंगे शिरकत : इस बार जी20 शिखर सम्मेलन में कई नेता शामिल होने जा रहे है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो, ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक, जापान के पीएम फिमियो किशिदो, ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथोनी अल्बनीज, द कोरिया के राष्ट्रपति, जर्मन चांसलर, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों भी जी-20 समिट में शामिल होंगे। इनके अलावा दक्षिण अफ्रीका, तुर्की, अर्जेंटीना के राष्ट्रपति सम्मेलन में हिस्सा लेने भारत आएंगे। ब्राजील, बांग्लादेश, इटली के राष्ट्राध्यक्ष भी दिल्ली पहुचेंगे। नाइजीरिया के राष्ट्रपति पहले ही भारत पहुंच चुके है।

ये नेता रहेंगे नदारद : जी20 शिखर सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग हिस्सा नहीं लेंगे जबकि उनकी जगह सम्मेलन में चीन के पीएम ली कियांग हिस्सा लेंगे। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भी भारत नहीं आ रहे हैं जबकि उनकी जगह विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव सम्मेलन में हिस्सा लेंगे।

यहां ठहरेंगे नेता : अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन-आईटीसी मौर्या, दिल्ली, ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक को होटल शांगरी ला दिल्ली, कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो- द ललित होटल दिल्ली, फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों - क्लैरिजेस होटल दिल्ली, फिमियो किशिदो- द ललित होटल दिल्ली, एंथोनी अल्बनीज- इंपीरियल दिल्ली, द कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक योल- ओबेरॉय होटल गुरुग्राम, तुर्की के राष्ट्रपति रसीप तैयप एर्दोआन- ओबेरॉय होटल, चीनी पीएम ली कियांग- ताज पैलेस होटल, ब्राजील प्रतिनिधिमंडल- ताज पैलेस होटल, इंडोनेशिया- इंपीरियल होटल दिल्ली, ओमान- लोधी होटल, बांग्लादेश- ग्रांड हयात होटल गुरुग्राम, इटली- हयात रिजेंसी, सऊदी अरब प्रतिनिधिमंडल- लीला होटल गुरुग्राम।

पंजाब पुलिस ने मलकियत काली को पकड़ा, 9 किलो हेरोइन बरामद

एसएसपी मुखविन्दर भुल्लर ने कहा- पाक आधारित नशा तस्कर हैदर अली के संपर्क में था दोषी काली

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़/ जालंधर

जालंधर ग्रामीण पुलिस ने पाकिस्तान से 50 किलो हेरोइन की खेप लाने के लिए तीन तैराकों को भेजने वाले बड़े तस्कर मलकियत सिंह उर्फ काली को गिरफ़्तार करके बड़ी सफलता दर्ज की है। पंजाब के डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) गौरव यादव ने गुरूवार को बताया कि पुलिस टीमों ने काली के पास से 50 किलो हेरोइन की खेप में से 9 किलो और हेरोइन भी ज़ब्त की है। उन्होंने आगे बताया कि पंजाब पुलिस द्वारा इस खेप में से 22.5 किलो हेरोइन पहले ही बरामद की जा चुकी है, जिससे अब कुल बरामदगी 31.5 किलो हो गई है। यह कार्रवाई, जालंधर ग्रामीण पुलिस द्वारा हेरोइन की खेप हासिल करने के लिए तैर कर पाकिस्तान के अधिकार क्षेत्र में जाने वाले नशा तस्कर जोगा सिंह, जिसके पास से 8 किलो हेरोइन बरामद हुई थी, की गिरफ़्तारी से एक महीने से भी कम समय के अंदर अमल में लाई गई है। इससे पहले, एसएसओसी अमृतसर ने शिन्दर सिंह के तौर पर जाने नशा तस्कर को गिरफ़्तार किया था, जिसके पास से 10 किलो हेरोइन और 1.5 लाख रुपए की ड्रग मनी बरामद की गई थी। इस माड्यूल से जुड़ी एक महिला नशा तस्कर अमनदीप कौर उर्फ दीप भाई को भी 1 किलो हेरोइन सहित काबू किया गया था, जबकि एक अन्य नशा तस्कर शिन्दरपाल उर्फ पप्पू को महितपुर से 500 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया था। डीजीपी ने हेरोइन की इस बड़ी खेप की बरामदगी को पंजाब पुलिस की तरफ से की जा रही निरंतर जाँच और मुस्तैदी का नतीजा करार देते हुए कहा कि इस केस सम्बन्धी अगली-पिछली कड़ियों की बारीकी से जांच के बाद ही जालंधर ग्रामीण पुलिस ने फ़िरोज़पुर के गाँव टेंडियां के रहने वाले नशा तस्कर मलकीयत काली को गोराया के नज़दीक बोपाराय नहर के पुल से कंधे में डाले बैग में छिपा रखी हेरोइन सहित गिरफ़्तार किया है।

एसएसपी जालंधर ग्रामीण मुखविन्दर सिंह भुल्लर ने बताया कि मुलजिम मल्कीयत काली ने खुलासा किया कि वह हैदर अली के तौर पर जाने जाते पाकिस्तान स्थित नशा तस्कर के लगातार संपर्क में था, जिसने हवाला के द्वारा पैसे का लेन-देन करने बदले भारत में हेरोइन की खेप की तस्करी करने में उसकी मदद की थी। मल्कीयत काली ने यह भी कबूला कि उसने जोगा सिंह को, दो अन्य व्यक्तियों के साथ, नदी के रास्ते के द्वारा 50 किलो हेरोइन की खेप लाने के लिए पाकिस्तान भेजा था, जोकि उसकी पार्टी और जोगा सिंह की पार्टी के बीच बराबर बांटी जानी थी। उन्होंने कहा कि आगे जांच जारी है और पुलिस टीमें इस माड्यूल में शामिल बाकी नशा तस्करों को गिरफ़्तार करने के लिए छापेमारी कर रही हैं। इस सम्बन्धी एफआईआर नं. 123 तारीख़ 07/ 09/ 2023 को एन. डी. पी. एस एक्ट की धारा 21 सी के अंतर्गत थाना गौराया में दर्ज की गई है।

उदयनिधि के बाद ए राजा ने दिया विवादित बयान, कांग्रेस ने बनाई दूरी

तिरुवन्तपुरम. सनातन धर्म पर लगातार आ रहे विवादित बयानों के बाद अब कांग्रेस ने खुद को इस मामले से दूर कर लिया है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे उदयनिधि स्टालिन और डीएमके सांसद ए राजा द्वारा सनातन धर्म को लेकर दी गई विवादित टिप्पणी को लेकर कांग्रेस ने बयान देकर कहा कि इन बयानों से कांग्रेस पार्टी सहमत नहीं है। डीएमके नेता ए राजा द्वारा की गई टिप्पणी के बाद सुप्रीम कोर्ट में वकील चिराग अनेजा ने इस मामले पर शिकायत दर्ज कराई है। दिल्ली पुलिस से शिकायत दर्ज करा दी है। शिकायत में चिराग ने कहा कि ए राजा ने जानबूझकर सनातन धर्म को एचआईवी और कोढ़ से तुलना की है। चिराग अनेजा ने कहा कि ये हेट स्पीच है।

इस विवादित टिप्पणी के बाद कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने गुरुवार को कहा कि पार्टी इन बयानों पर विश्वास नहीं करती है। उन्होंने कहा कि उदयनिधि स्टालिन के बयान से पार्टी सहमत नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी पार्टी इस तरह की टिप्पणियों का समर्थन नहीं करती है। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म को कम नहीं आंकना चाहिए। संविधान भी इसकी इजाजत नहीं देता।

ये है मामला

डीएमके नेता ए राजा ने सनातन धर्म का अपमान किया है। ए राजा ने सनातन धर्म की तुलना एचआईवी से की है। एक बयान में ए राजा ने कहा कि 'सनातन धर्म सामाजिक बीमारी है। यह कुष्ठ रोग और एचआईवी से भी ज्यादा घातक है।' गौरतलब है कि इससे पहले दो सितंबर को डीएमके नेता उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म को खत्म करने की बात कही थी, जिसके बाद उनके बयान पर काफी बवाल हुआ था। इस बयान की देश भर में आलोचना की गई है। इस बयान के बाद बीजेपी नेता अमित मालवीय ने भी ट्वीट कर उनके बयानो की निंदा की थी।

प्रशासन ने 17 सेवानिवृत्त पटवारियों के इस्तीफा देने की खबरों का किया खंडन

• **जालंधर ब्रीज.** जालंधर

डिप्टी कमिश्नर विशेष सारंगल ने जिले में 17 पटवारियों के इस्तीफे की मीडिया में आई खबरों का खंडन किया है। गुरुवार शाम को 17 पटवारियों के इस्तीफा देने की खबर मीडिया के एक हिस्से में वायरल हुई थी। डिप्टी कमिश्नर ने इन खबरों को पूरी तरह से नकारते हुए कहा कि मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिला प्रशासन को अभी तक किसी भी सेवानिवृत्त पटवारी का इस्तीफा नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि कुछ समय पहले जिला प्रशासन द्वारा 59 सेवानिवृत्त पटवारियों को ठेके पर नियुक्त किया गया था। उन्होंने कहा कि इन पटवारियों के कार्यभार को कम करने और उनकी मदद के लिए प्रशासन ने उनके साथ 80 नए प्रशिक्षु पटवारियों को नियुक्त किया है।

सेवानिवृत्त कानूनगो एवं पटवारी वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव मक्खन सिंह मान ने यह भी दावा किया है कि एसोसिएशन के किसी भी सदस्य द्वारा कोई इस्तीफा नहीं दिया गया है।

भ्रष्टाचार के खिलाफ सामूहिक इच्छाशक्ति का महत्व

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

भ्रष्टाचार मुक्त समाज निर्माण की दिशा में एक अभियान के भाग के रूप में, भारत सरकार द्वारा भ्रष्टाचार विरोधी संरचना को मजबूत करने के लिए विभिन्न पहलें की गई हैं। देश की सत्यनिष्ठा के प्रति एक सर्वोच्च संस्था के रूप में, केंद्रीय सतर्कता आयोग इन अधिकांश पहलों में सबसे आगे रहा है। पिछले कुछ वर्षों में, भ्रष्टाचार की गतिविधियों को दंडित करने और चिह्नित करने के साथ-साथ निवारक उपायों को संस्थागत बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया है, जैसे शासन को आधुनिक बनाना, आईटी का लाभ उठाना, प्रक्रियाओं को फिर से तैयार करना, नियंत्रण और संतुलन को व्यवस्थित करना आदि। हालांकि, भ्रष्टाचार के प्रति कोई सहनशीलता नहीं (जीरो टोलेरेंस) के संदेश को आंतरिक बनाने और लागू करने में, नागरिक भागीदारी और सामूहिक इच्छाशक्ति इनसे जुड़ी पहलों के मूल में होना चाहिए। केंद्रीय सतर्कता आयोग, भ्रष्टाचार के खिलाफ अपनी लड़ाई में, सभी हितधारकों को एक साथ लाने और लोक प्रशासन में पारदर्शिता और निष्ठा लाने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करने के लिए सहभागी सतर्कता की व्यवस्था का उपयोग करता है। सतर्कता जागरूकता सप्ताह, जो इस दिशा में बड़े पैमाने पर होने वाला वार्षिक आउटरीच कार्यक्रम है, इस वर्ष 30 अक्टूबर से 5 नवंबर तक मनाया जा रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में, सतर्कता जागरूकता सप्ताह को सरकारी के साथ-साथ गैर-सरकारी हितधारकों से उत्साहपूर्ण भागीदारी और समर्थन प्राप्त हुआ है। संगठनों को सेमिनार, जागरूकता ग्राम सभा और जीवन के सभी क्षेत्रों में निष्ठा के महत्व को प्रसारित करने के उद्देश्य से कार्यक्रम आदि आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अब तक 16 मिलियन से अधिक नागरिकों और 2,50,000 से अधिक संगठनों द्वारा ई-निष्ठा संकल्प लिए गया है। ये कार्यक्रम, भ्रष्टाचार के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन के अनुच्छेद 13 की भावना का भी पालन करते हैं, जिसके अनुसार, '....समाज की भागीदारी होनी चाहिए और सार्वजनिक क्षेत्र के बाहर व्यक्तियों और समूहों जैसे नागरिक समाज, गैर-सरकारी संगठनों और समुदाय-आधारित संगठनों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, ताकि भ्रष्टाचार के निवारण और इसके खिलाफ लड़ाई में, भ्रष्टाचार के अस्तित्व, कारणों और इसकी गंभीरता व इसके खतरे के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ायी जा सके।'

सतर्कता जागरूकता सप्ताह की पूर्व तैयारी के तहत तीन महीने का एक अभियान शुरू किया गया है, जिसमें छह निवारक सतर्कता उपाय शामिल किये गए हैं। इन उपायों को संगठनों के काम करने के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में चुना गया है। इनमें शामिल हैं - व्यक्तियों (व्हिसिलब्लोअर) की शिकायतों पर जागरूकता निर्माण, क्षमता निर्माण कार्यक्रम, प्रणालीगत सुधार उपाय, शिकायत निपटान के लिए आईटी का लाभ उठाना, परिपत्रों, दिशानिर्देशों व नियमावली को अद्यतन करना और लंबित शिकायतों का निपटान करना। ये निवारक पहलें प्रक्रियाओं में सुधार और प्रणालीगत परिवर्तन लाने पर जोर देने के लिए शुरू की गई हैं। इनका लक्ष्य शासन में संपूर्ण बदलाव लाना है, जिससे सरकारी कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी। 2022 में, केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के सहयोग से, केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा एक राष्ट्रव्यापी निबंध प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। इस प्रतियोगिता में देश भर के दस हजार से अधिक स्कूलों के लगभग 7.6 लाख छात्रों ने भाग लिया था।

पी डेनियल
(सचिव, सेंट्रल विजिलेंस कमिशन)
वॉर्मिला जैस्मिन कीशिंग
(उप सचिव, सेंट्रल विजिलेंस कमिशन)

आयोग का शिकायत प्रबंधन पोर्टल, जिसका उद्घाटन पिछले साल माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया था, भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई में नागरिकों की भागीदारी बढ़ाने का एक और प्रयास है। इस पोर्टल के माध्यम से कोई भी नागरिक, जिसने केंद्र सरकार के किसी भी अधिकारी को गलत काम करते देखा है, सीधे आयोग में शिकायत दर्ज कर सकता है। यदि नागरिक, किसी भी कारण से अपनी पहचान का खुलासा नहीं करना चाहता है, तो वे सीधे आयोग के पास एक जागरूक व्यक्ति (व्हिसलब्लोअर) शिकायत दर्ज कर सकता है। इस उपाय के माध्यम से शीर्ष निकाय को जनता के लिए सुलभ बनाया गया है। भारत में, जागरूकता आधारित शिकायत (व्हिसिल-ब्लोइंग) को जनहित प्रकटीकरण और सूचना प्रदाता संरक्षण (पीआईडीपीआई) विनियम से विधायी समर्थन प्राप्त होता है। इस विनियम के माध्यम से, शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी जाती है और यदि उन्हें सुरक्षा की आवश्यकता महसूस होती है, तो आयोग आवश्यक सुरक्षा प्रदान कर सकता है। यह नागरिकों को किसी भी जानकारी के साथ आगे आने के लिए प्रोत्साहित करता है, साथ ही गुमनाम या छद्म नाम से शिकायतें दर्ज करने में कमी लाता है।

ये पहलें भ्रष्टाचार को अस्वीकार करने की संस्कृति वाले समुदायों और समाजों के निर्माण को बढ़ावा देतीं हैं। अंत में यह कहा जा सकता है कि भले ही केंद्रीय सतर्कता आयोग और अन्य सरकारी निकाय सक्रिय रूप से भ्रष्टाचार की रोकथाम और इसके खिलाफ अपनी लड़ाई जारी रखे हुए हैं, लेकिन वास्तविक शक्ति नागरिकों के हाथों में है और वे किस प्रकार शासन में ईमानदारी को प्रभावित कर सकते हैं। वास्तविक व स्थायी परिवर्तन लाने के लिए नागरिकों को लगातार समर्थन दिया जाना चाहिए और उन्हें सशक्त बनाया जाना चाहिए।

पार्टनर संग हाउसबोट की सैर, हनीमून के लिए भी ये हैं बेस्ट डेस्टिनेशन

TRAVELING

पहाड़ों, बर्फबारी और लेक के खूबसूरत नजारे तो आपने कई बार देखें होंगे। इस बार अगर आप पार्टनर के साथ यादगार दिन बिताना चाहते हैं तो इन हाउसबोट डेस्टिनेशन पर जा सकते हैं।

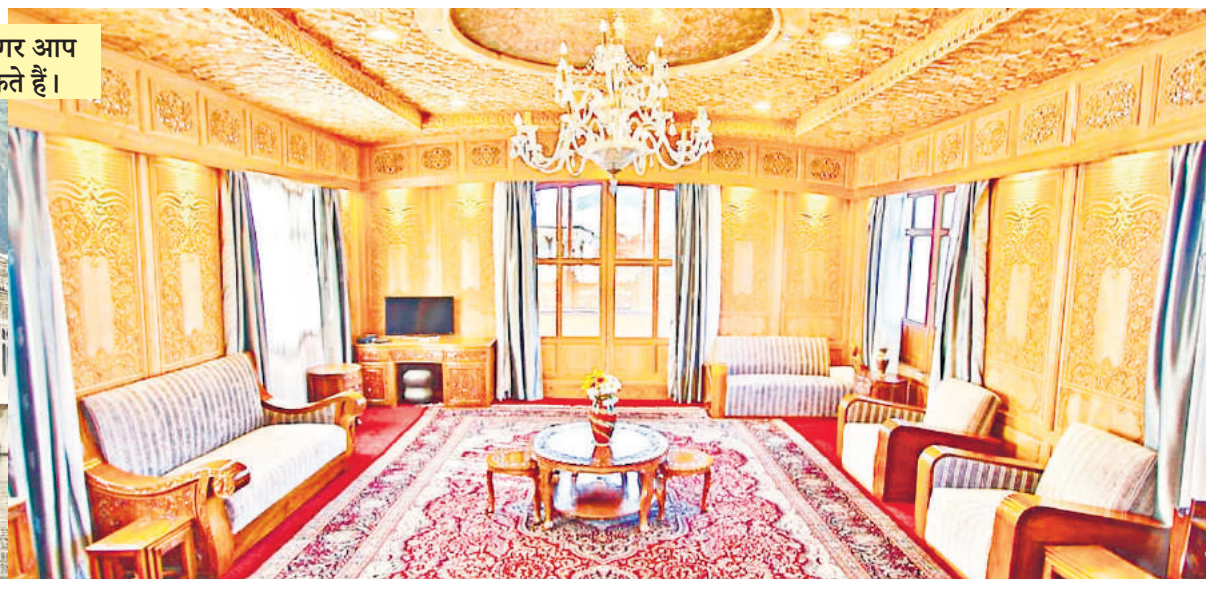

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

घूमने-फिरने के लिए अगर आप हर बार पहाड़, बर्फबारी और लेक के खूबसूरत नजारों को देखने के लिए जाते हैं तो इस बार कुछ नया एक्सपीरियंस लें। इस बार आप पार्टनर संग हाउसबोटिंग का मजा लें। हाउसबोट एक तरह का लकड़ी से बना घर होता है, जो हमेशा पानी में तैरता रहता है। कुछ लोग तो शादी के बाद अपने हनीमून पर हाउसबोट का एक्सपीरियंस लेने के लिए जाते हैं। यहां कुछ जगहों के बारे में बता रहे हैं जहां आप हाउसबोट का मजा ले सकते हैं।

हाउसबोट डेस्टिनेशन

श्रीनगर- श्रीनगर में आप हाउस बोट के मजे ले सकते हैं। यहां हाउसबोट का एक्सपीरियंस लेने लोग दूर-दूर से आते हैं। डल झील में कई तरह के शिकारा तैरते हैं, जिनमें से आप अपनी पसंद के मुताबिक शिकारा चुनकर उसमें सफर का लुत्फ उठा सकते हैं।

तारकरली- ये महाराष्ट्र का एकमात्र बैकवाटर रिजन है। जहां आप आराम से हाउसबोटिंग का मजा ले सकते हैं। पार्टनर संग अपने दिनों को यादगार बनाने की इच्छा रखते हैं तो तारकरली एक बढ़िया में हाउसबोटिंग का मजा लेना अच्छा ऑप्शन है।

केरल- केरल के बैकवाटर में आप हाउसबोड का मजा ले सकते हैं। हाउसबोट का बेहतर अनुभव आपको केरल में मिलेगा। हाउसबोट में सफर करना वास्तव में खास होता है। आप हाउसबोट में आराम से बैठकर केरल की वादियों को निहार सकते हैं।

गोवा- गोवा देश के सबसे पॉपुलर बीच प्लेसेस में से एक है। लेकिन यहां भी आप हाउसबोट का आनंद उठा सकते है। चपोरा और मंडोवी नदियों पर पार्टनर संग हाउसबोटिंग का लुत्फ जरूर उठाएं।

FASHION+

ब्लैक आउटफिट में पलक तिवारी का ग्लैमरस लुक

टीवी स्टार श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी हर लुक में परफेक्ट लगती हैं। अपने लेटेस्ट लुक्स को पलक सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं।

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

पलक तिवारी ब्लैक प्रिंटेड को-ऑर्ड सेट में फैशन गोल्स देते दिखाई दे रही हैं। उनके ब्लैक बेल बॉटम पैंट में ग्रीन और व्हाइट डिजाइन फीचर किए गए हैं। उनके सिल्की हेयर लुक को कॉप्लीमेंट दे रहे हैं।

लेदर गाउन में पलक तिवारी का लुक बेहद बोल्ड लग रहा है। उनका स्टाइलिश लुक लेटेस्ट ट्रेंड फॉलो कर रहा है। उनका स्ट्रैपलेस ब्लाक गाउन में डिटेलिंग की गई है। पलक तिवारी ने रफल्ड हैंड ग्लव्स भी पहने हैं। उनके मेसी हेयर लुक को कंपलीट कर रहे हैं।

वेस्टर्न हो या ट्रेडिशनल, पलक तिवारी हर लुक में दिल चुरा लेती हैं। ऑल ब्लैक साड़ी लुक में पलक तिवारी बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उनकी शिमरी ब्लैक साड़ी में सिल्वर बॉर्डर दिए गए हैं। एक्ट्रेस का स्लीक वेव हेयर स्टाइल बेहद खूबसूरत लग रहा है।

फैशन सेंस और स्टाइल के मामले में पलक तिवारी बी टाउन की दिग्गज एक्ट्रेसेस को भी टक्कर देती हैं। पलक तिवारी सोशल मीडिया पर खूब एक्टिव रहती हैं और अपने लेटेस्ट लुक्स शेयर करती रहती हैं। आइए आपको उनके ब्लैक लुक्स दिखाते हैं।

ब्लैक जंपसूट में पलक तिवारी का लुक बेहद ग्लैमरस लग रहा है। एक्ट्रेस ने ब्लैक ऑफ शोल्डर टॉप के साथ मैचिंग बॉटम वियर पहना है। उन्होंने स्मोकी मेकअप के साथ मिनिमल एक्सेसरी कैरी की है।

नए तरीके से बनाएं प्याज और मलाई के साथ पनीर की टेस्टी सब्जी

अगर पनीर की सब्जी बनाने की सोच रही हैं तो फटाफट बनाएं मलाई-प्याज और पनीर की टेस्टी सब्जी। जिसका स्वाद हर किसी को पसंद आएगा। साथ ही इसे बनाने का तरीका भी आसान है।

• **जालंधर ब्रीज.** रेसिपी

वेजिटेरियन हैं तो पनीर की सब्जी खाना पहली पसंद होगा। लेकिन हर बार एक जैसी पनीर की सब्जी खाकर बोर हो चुके हैं तो इस बार नए तरीके से इसे बनाएं। जिसका स्वाद और टेक्सचर हर किसी को पसंद आएगा। अगर आप फ्रैंड्स को पनीर की सब्जी खिलाना चाहती हैं तो मलाई और प्याज के साथ बनी ये सब्जी ट्राई कर सकती हैं। जानें कैसे बनाएं टेस्टी मलाई-प्याज के साथ बनी पनीर की सब्जी।

प्याज-मलाई पनीर की सामग्री

- तेल एक चम्मच
- देसी घी एक चम्मच
- आधा चम्मच राई
- एक चौथाई चम्मच कलौंजी
- दो साबुत लाल मिर्च
- तेज पत्ता
- दो हरी इलायची
- दो लौंग
- एक इंच दालचीनी का टुकड़ा
- अदरक-लहसुन बारीक कटा हुआ
- 2-3 प्याज लच्छेदार कटे हुए
- नमक स्वादानुसार
- हल्दी पाउडर
- 2-3 टमाटर बारीक कटे हुए
- एक चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर
- धनिया पाउडर
- जीरा पाउडर
- 2 चम्मच बेसन
- फ्रेश मलाई या क्रीम
- पानी
- अमचूर पाउडर
- गरम मसाला
- 200 ग्राम पनीर

बनाने की विधि

- सबसे पहले पैन में तेल डालकर गर्म करें।
- फिर इसमे राई और जीरा चटकाएं।
- साथ में लौंग, हरी इलायची, दालचीनी डालें।
- लाल मिर्च डालने के बाद प्याज डालकर भूनें।
- धीमी आंच पर प्याज को भूनने के साथ हल्दी और नमक डालें।
- कटे टमाटर को डालकर भूनें।
- साथ में बेसन डाल दें और अच्छी तरह से चलाएं।
- ढंककर करीब 5 मिनट पकने दें।
- जब टमाटर गल जाए तो इसमे फ्रेश क्रीम डाल दें।
- पनीर को अच्छी तरह से मैश कर लें।
- अब मैश्ड पनीर डालकर मिक्स करें और साथ में कश्मीरी लाल मिर्च डालें।
- धनिया पाउडर, जीरा पाउडर, गरम मसाला डालकर मिक्स करें।
- थोड़ा सा पानी डालें और धीमी आंच पर पकने दें।
- बस रेडी है टेस्टी मलाई-प्याज पनीर की सब्जी, इसे रोटी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

उम्र के मुताबिक छोटी है बच्चे की हाइट तो उसे रोजाना कराएं ये एक्सरसाइज, बढ़ेगी 1 से 2 इंच लंबाई

• **जालंधर ब्रीज.** फीचर

बच्चों की हाइट ना बढ़ना पेरेंट्स के लिए चिंता का विषय है। लंबाई का बढ़ना काफी हद तक जींस पर निर्भर करता है। अगर उम्र के मुताबिक बच्चों की हाइट नहीं बढ़ रही है तो आप उनके रूटीन में इन 5 एक्सराइज को शामिल करें।

बच्चों की हाइट बढ़ाने वाली एक्सरसाइज

- रस्सी कूदना- हाई बढ़ाने के लिए रस्सी कूदना एक अच्छी एक्सरसाइज है। जब कोई व्यक्ति स्किपिंग करता है तो शरीर पूरी तरह से खिंचता है, इसलिए यह बच्चे में हाइट को बढ़ावा देता है। यह एक अद्भुत कार्डियो वर्कआउट भी है, ये बच्चे को फिट और एक्टिव रखेगा।
- स्विमिंग- स्विमिंग एक और हेल्दी एक्सरसाइज है, जो आपके बच्चे को एक्टिव रहने में मदद करती है। स्विमिंग एक फुल बॉडी एक्सरसाइज है जो शरीर की सभी मांसपेशियों पर बहुत प्रभाव डालता है। लंबे समय तक तैरने से आपके बच्चे को एक्सट्रा फैट कम करने में मदद मिल सकती है, जिससे बच्चे को हेल्दी रहने में भी मदद मिलेगी। आप चाहें तो डेली अपने बच्चों को स्विमिंग करने की आदत डालें। इससे ना सिर्फ मांसपेशियों को मजबूती मिलती है, बल्कि पोस्चर में सुधार होता है।
- जॉगिंग- ये भी एक बेहतरीन एक्सरसाइज है, जो बच्चों-बड़ों सभी के लिए भी फायदेमंद है। जॉगिंग से पैर की हड्डियां मजबूत होती हैं और ग्रोथ हार्मोन बढ़ती है, जो शरीर में किसी भी विकास के लिए जरूरी होती है। इसे इंटरेस्टिंग बनाने के लिए आप उनके साथ ये जॉगिंग करें।
- योग मुद्राएं- बच्चों के लिए योग करना भी उनके शारीरिक और मानसिक सेहत के लिए बेस्ट है। कुछ योग आसन आपके बच्चे को लंबा करने में फायदेमंद होते हैं। बच्चों के साथ आप शुरुआत में ट्री पोज, कोब्रा पोज करना सिखाएं। वहीं सूर्य नमस्कार भी पूरे शरीर को काम करने के लिए प्रेरित करता है।
- लटकना- लटकने से रीढ़ की हड्डी को लम्बा करने में भी मदद मिलती है। आप अपने बच्चे को नियमित रूप से लटकने के अलावा पुल-अप्स और चिन-अप्स करने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकते हैं।

सबसे अनोखा आई कलर है ये, दुनियाभर में इस रंग की आंख वाले मिलेंगे बहुत कम

KNOWLEDGE

चेहरे की खूबसूरती आंखों से दिखती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनियाभर में बहुत कम लोग ऐसे हैं जिनकी आंखों का रंग ग्रे, हरा या फिर नीला होता है। इनमे भी सबसे रेयर कलर है ये रंग।

• **जलंधर ब्रीज.** हेल्थ केयर

आंखें इंसान का आईना होती हैं। सबसे पहले जब हम किसी से मिलते हैं तो आंखों को ही देखते हैं। आई बॉल्स यानी प्यूपिल का कलर पर सबसे ज्यादा ध्यान जाता है। लेकिन, ज्यादातर आसपास दिखने वाले लोगों की आखों का कलर एक जैसा दिखता है और बहुत कम लोग ही ऐसे दिखते हैं जिनकी आंखों

का कलर अलग होता है। ब्लू, ग्रीन, हेजल, ब्राउन और आंखों के कई सारे शेड्स होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनमे से एक आंखों का कलर ऐसा है। जो दुनियाभर में मात्र 2 प्रतिशत लोगों के पास ही है।

कौन सा है दुनिया का सबसे रेयर कलर?

दुनियाभर में सबसे कम इंसान ग्रीन कलर की आंखों के हैं। मात्र 2 प्रतिशत लोगों की आंखों का रंग ग्रीन है। अमेरिकन एकेडमी ऑफ ऑप्थलमॉलाजी यानी एएओ के मुताबिक दुनियाभर में आधे से ज्यादा आबादी की आंखों का कलर ब्राउन है। जो कि उन्हें पूर्वजों से मिला है। करीब 79 प्रतिशत लोग दुनियाभर में ऐसे हैं जो ब्राउन शेड की आई कलर के मालिक हैं। इसके अलावा बाकी कलर की आंखों के दुनियाभर में बहुत कम लोग ही हैं।

वहीं, ग्रे कलर की आंखों के लोग भी दुनियाभर में मात्र 3 प्रतिशत हैं। वहीं करीब पूरी पॉपुलेशन के 5 प्रतिशत लोग ऐसे हैं जो हेजल कलर की आंखों के मालिक हैं। हेजल कलर ग्रीन और ब्राउन का मिक्सचर होता है। जिसमे हल्का शेड गोल्ड या ब्राउन का दिखता है। अक्सर हेजल आई कलर लाइट के साथ बदला हुआ सा दिखता है।

आंखों का रंग कैसे बनता है

आंखों के आइरिस पार्ट में मेलानिन के डिस्ट्रीब्यूशन पर आंखों का कलर डिपेंड करता है। वहीं इसमे जींस फैक्टर भी काम करता है। जिससे आंखों का कलर तय होता है। आंखों के कलर के लिए दो तरह के मेलानिन काम करते हैं। ईयूमेलानिन और फेयोमेलानिन। ईयूमेलानिन में ब्लैक एंड ब्राउन पिगमेंट होते हैं। जबकि फेयोमेलानिन में रेड और येलो पिग्मेंट होते हैं। इन दोनों का अनुपात आइरिस में जितना ज्यादा होता है। उससे आंखों का कलर बनता है।

जी-20 में भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियां, साक्ष्य और समानता का आश्वासन

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

आज दुनिया भारत को किफायती और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में पारंपरिक ज्ञान के भंडार के रूप में पहचानती है। इसका मुख्य कारण आयुर्वेद और योग में इसकी प्रभावशीलता है। भारत की जी-20 की अध्यक्षता ने इस प्रभावकारिता को विश्व की अग्रणी हस्तियों और स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े विशेषज्ञों के सामने बहुत ही लक्षित तरीके से प्रदर्शित करने का सुनहरा मौका प्रदान किया। आयुष मंत्रालय ने वैश्विक समुदाय को यह बताने के लिए सभी प्रासंगिक विचार-विमर्श में सक्रिय रूप से भाग लिया। भारत के पारंपरिक स्वास्थ्य विज्ञान "अच्छे स्वास्थ्य और कल्याण" के सतत विकास लक्ष्य 3 (एसडीजी 3) पर ध्यान केंद्रित करते हुए मानवता और पर्यावरण की लगातार बढ़ती चुनौतियों से निपटने के लिए इसे प्रदर्शित कर रहे हैं।

अब यह बिल्कुल स्पष्ट है कि कोविड के बाद वैश्विक समुदाय के स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में भारी बदलाव आया है। अब यह समग्र स्वास्थ्य और कल्याण की ओर स्थानांतरित हो गया है। न्यायसंगत तरीके से उच्च गुणवत्ता, सस्ती और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना अब मानवता की जरूरत है। पिछले 9 वर्षों के दौरान आयुष मंत्रालय की विभिन्न पहलों ने विभिन्न पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों में आधुनिक तकनीकी उपकरणों और आधुनिक पद्धतियों को शामिल किया है, जिसके परिणामस्वरूप समग्र रूप से साक्ष्य-आधारित आयुष क्षेत्र में जबरदस्त वृद्धि हुई है।

यह याद रखना उचित होगा कि जापान के ओसाका में जी-20 शिखर सम्मेलन के तीसरे सत्र के दौरान, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने स्वास्थ्य सेवाओं के संबंध में 5 ए - एक्सेसीबल (पहुंच योग्य), अफोर्डेबल (किफायती), अप्रोप्रिएट (समुचित), एकाउंटेबल (जवाबदेह) और एडेप्टेबल (अनुकूलनीय) के बारे में बताया था। आयुष मंत्रालय इन आयामों में लगातार योगदान दे रहा है और भारत की जी-20 अध्यक्षता के तहत व्यापक चर्चा के दौरान मंत्रालय ने विभिन्न कार्यक्रमों/सेमिनारों में प्रदर्शित किया कि उसके पास (ए) जी-20 देशों के भीतर पारंपरिक चिकित्सा के लिए अनुसंधान एवं विकास और नियामक दिशानिर्देशों का मानकीकरण को लेकर वैश्विक सहयोग और समन्वय को बढ़ावा देने के लिए सभी आवश्यक साधन हैं; (बी) ज्ञान साझा करने, क्षमता निर्माण और सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों की सुविधा के लिए उद्योग जगत से हितधारकों को शामिल करना। मंत्रालय ने सहयोग और साझेदारी के संभावित क्षेत्रों की पहचान करने के लिए विभिन्न जी-20 भागीदारी और कार्यसमूहों के साथ मिलकर काम किया।

जी-20 के तहत स्वास्थ्य कार्यसमूह की स्थापना महत्वपूर्ण वैश्विक स्वास्थ्य मुद्दों पर संवाद बढ़ाने और जी-20 देशों के दिग्गजों को सूचित करने के लिए की गई है। साथ ही, यह समूह वर्तमान और भविष्य की पीढ़ियों के लिए समान स्वास्थ्य सुविधाएं प्राप्त करने की दिशा में काम करता है। आयुष मंत्रालय ने जी-20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान स्वास्थ्य संबंधी सभी कार्यसमूह कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लिया। यह सब 17-18 अगस्त को गुजरात के गांधीनगर में आयोजित पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) पारंपरिक चिकित्सा वैश्विक शिखर सम्मेलन में किया गया। गुजरात के जामनगर में पारंपरिक चिकित्सा के लिए डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर में भागीदारी, विचारों और अनुभवों के आदान-प्रदान के मामले में और डब्ल्यूएचओ पारंपरिक चिकित्सा रणनीति 2025-35 के दस्तावेज दोनों के लिए भविष्य की रणनीतियों को तैयार करने को लेकर शिखर सम्मेलन एक बड़ी सफलता थी।

पारंपरिक चिकित्सा में भारत सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए, डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस ने इस वैश्विक शिखर सम्मेलन के दौरान पारंपरिक चिकित्सा में भारत के निर्विवाद योगदान की पुष्टि की। उल्लेखनीय है कि इस वैश्विक शिखर सम्मेलन के परिणाम दस्तावेज को जल्द ही डब्ल्यूएचओ द्वारा गुजरात घोषणा के रूप में जारी किया जाएगा।

हाल ही में, जुलाई में दिल्ली में जी-20 शेरपा, अमिताभ कांत की अध्यक्षता में आयुष मंत्रालय द्वारा स्थिति का जायजा लिया गया था। बैठक में जी-20 के माध्यम से वैश्विक स्तर पर चिकित्सा की आयुष प्रणालियों को बढ़ावा देने के आयुष मंत्रालय के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित किया गया। डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर फॉर ट्रेडिशनल मेडिसिन (जीसीटीएम) के भीतर नवीन तकनीकों और नवीन दृष्टिकोणों को शामिल करने का सुझाव देते हुए, अमिताभ कांत ने विस्तार से बताया कि कैसे इनफ्यूजन पारंपरिक कार्यप्रणालियों को आधुनिक बनाएगा और उनकी प्रभावशीलता को बढ़ाएगा, जिससे पारंपरिक चिकित्सा की व्यापक स्वीकृति और उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने जी-20 के सभी भागीदार समूहों में पारंपरिक चिकित्सा के सिद्धांतों को एकीकृत करने के लिए हितधारकों के बीच बेहतर सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया।

जी-20 की विभिन्न एंगेजमेंट और वर्किंग ग्रुप की बैठकों में आयुष मंत्रालय के प्रयासों का निश्चित रूप से प्रभाव पड़ा है। इस बैठक में यह तब स्पष्ट हुआ जब स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अपर सचिव लव अग्रवाल की टिप्पणी में उन्होंने भारत

सर्बानंद सोनोवाल
(केंद्रीय आयुष और पोत, पत्तन एवं जलमार्ग मंत्री)

की जी-20 अध्यक्षता के दौरान स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की आगामी स्वास्थ्य संबंधी घोषणा में पारंपरिक चिकित्सा को शामिल करने की पुष्टि की। उन्होंने आधुनिक स्वास्थ्य देखभाल के संदर्भ में पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों की पूरी क्षमता का पता लगाने और सहयोग करने के लिए विशेषज्ञों और हितधारकों को एक मजबूत मंच प्रदान करने के लिए पारंपरिक चिकित्सा के लिए एक समर्पित मंच की स्थापना की आवश्यकता भी जताई। उसी बैठक में, स्टार्टअप-20 के इंडिया चेयर चिंतन वैष्णव ने कहा कि आयुष चिकित्सा प्रणाली को भविष्य को आकार देने वाले स्टार्टअप-20 एजेंडा की सूची में शामिल किया गया है, जिसे ब्राजील की जी-20 की अगली अध्यक्षता के तहत आगे बढ़ाया जाएगा।

अपने अत्याधुनिक अस्पतालों और अत्यधिक कुशल डॉक्टरों के साथ, भारत चिकित्सा पर्यटन के लिए सबसे लोकप्रिय स्थलों में से एक बनकर उभरा है। देश में चिकित्सा पर्यटन को और बढ़ावा देने के लिए, तिरुवनंतपुरम में पहले स्वास्थ्य कार्यसमूह ने चिकित्सा मूल्य यात्रा पर एक अतिरिक्त कार्यक्रम का आयोजन किया। यह भारत में चिकित्सा पर्यटन उद्योग में अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए एक लाभदायक और व्यावहारिक मंच था। यहां कई हितधारकों द्वारा यह देखा गया कि एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल पर आधारित चिकित्सा मूल्य यात्रा के माध्यम से दुनिया के देश आपस में जुड़ेंगे। इसमें पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को मजबूत तरीके से शामिल किया गया है। यह मौजूदा स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों में असमानताओं को दूर करने के उद्देश्य को पूरा करेगा।

उल्लेखनीय है कि आयुष उद्योग हाल के वर्षों में एक महत्वपूर्ण बदलाव से गुजरा है। बाजार अनुसंधान रिपोर्ट के अनुसार बाजार में प्रति वर्ष 17 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है और अनुमान है कि यह 23.3 बिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक तक पहुंच गया है। ये संख्याएं किसी भी उद्योग मानक से बहुत अधिक हैं। आयुष की बढ़ती लोकप्रियता और स्वीकार्यता का श्रेय बढ़ी हुई जागरूकता, वैज्ञानिक मान्यता, सरकारी समर्थन, वैश्विक पहुंच, जीवनशैली के रुझान और आयुष प्रणालियों द्वारा पेश किए गए व्यक्तिगत दृष्टिकोण को दिया जाता है। जैसे-जैसे अधिक लोग आयुष कार्यप्रणालियों के लाभों का अनुभव करेंगे, मुख्यधारा की स्वास्थ्य देखभाल में इसकी स्वीकृति और जुड़ाव बढ़ने की संभावना है।

एक मोर्चे पर, यह आयुष क्षेत्र में काफी विकास के अवसरों को दर्शाता है, लेकिन इस तेज वृद्धि के साथ जुड़ी चुनौतियाँ भी हैं। चुनौतियों को सुरक्षा, प्रभावकारिता, पारदर्शिता, विश्वसनीयता और नैतिक कार्यप्रणालियों के संदर्भ में देखा जा सकता है।

बढ़ती लोकप्रियता ऐसे उदाहरण भी सामने लाती है जहां भ्रामक दावों ने जनता के बीच अविश्वास पैदा कर दिया हैं। भारत सरकार ने भ्रामक जानकारी के मुद्दे के समाधान के लिए कई कदम उठाए हैं, जिनमें विज्ञापन और उपभोक्ता संरक्षण के मामले भी शामिल हैं। इसके संचालन में सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने और आयुष के क्षेत्र में विश्वास को बढ़ावा देने की यात्रा वर्ष 2014 में आयुष मंत्रालय की स्थापना के बाद से ही शुरू हो गई थी। इन वर्षों के दौरान, मंत्रालय ने अपने फार्माकोविजिलेंस कार्यक्रम को मजबूत करके सक्रिय रूप से कदम उठाए हैं। भ्रामक विज्ञापनों की निगरानी के लिए एक मजबूत तंत्र विकसित किया गया है। इसके साथ ही, भ्रामक विज्ञापन से संबंधित अन्य नियम और विनियमन भी ऐसे मामलों से निपटने में समान रूप से प्रभावी हैं। सरकार की प्रमुख पहलों में से एक मजबूत फार्माको-विजिलेंस कार्यक्रम का कार्यान्वयन है। ये कार्यक्रम आयुष दवाओं की सुरक्षा की निगरानी करने और प्रतिकूल घटनाओं या दुष्प्रभावों पर डेटा इकट्ठा करने के लिए तैयार किए गए हैं। यह कार्यक्रम प्रतिकूल घटनाओं की रिपोर्ट एकत्र करता है, उनका विश्लेषण करता है और उन पर प्रतिक्रिया देता है। इस पूरी प्रक्रिया में यह सुनिश्चित किया जाता है कि आयुष दवाओं की सुरक्षा प्रोफाइल की लगातार निगरानी की जा सके।

मंत्रालय ने नियामक अनुपालन और स्थापित दिशानिर्देशों के पालन के महत्व पर जोर दिया है। इसने आयुष औषधियों के लिए एक नियामक ढांचा लागू किया है, जिसमें निर्माताओं, आयातकों और वितरकों के लिए लाइसेंसिंग और प्रमाणन प्रक्रियाएं शामिल हैं। इसके अलावा, मंत्रालय ने आयुष के क्षेत्र में अनुसंधान और साक्ष्य-आधारित कार्यप्रणालियों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित किया है। यह आयुष उपचारों की प्रभावकारिता और सुरक्षा को मान्यता देने के लिए कठिन वैज्ञानिक अध्ययन और नैदानिक परीक्षणों को प्रोत्साहित करता है।

आयुष मंत्रालय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सूचनाओं का आदान-प्रदान करने, सर्वोत्तम कार्यप्रणालियों को साझा करने और आयुष दवाओं की नियामक निगरानी को मजबूत करने के लिए नियामक अधिकारियों के साथ सहयोग करता है। यह सहयोग यह सुनिश्चित करने में मदद करता है कि सुरक्षा मानक वैश्विक कार्यप्रणालियों के अनुरूप हैं और उनके बीच तालमेल भी है। हाल ही में गांधीनगर में डब्ल्यूएचओ पारंपरिक चिकित्सा वैश्विक शिखर सम्मेलन के दौरान, इस विषय पर गहन विचार-विमर्श किया गया, जिसके परिणामस्वरूप भाग लेने वाले देशों के बीच इस क्षेत्र में समन्वित कार्रवाई की संभावना बढ़ी है।

संक्षेप में, पिछले कुछ महीनों के दौरान जी-20 की अध्यक्षता की गतिविधियों ने विभिन्न भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को साक्ष्य-आधारित प्रभावकारिता को प्रदर्शित करने और साझा करने का एक उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया। इसने देश और दुनिया भर में पारंपरिक चिकित्सा क्षेत्र के सभी हितधारकों की आशा और विश्वास को भी मजबूत किया है कि भारतीय पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियां व्यापक तौर पर स्वास्थ्य कवरेज के ऊंचे लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मानवता की सेवा करने में सभी आवश्यक साधनों से सुसज्जित हैं।

राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन का यह ऐतिहासिक आयोजन इतिहास की रचना करेगा : अनुराग ठाकुर

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने आज जी-20 नेताओं के शिखर सम्मेलन से पहले तैयारियों और व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मीडिया सेंटर का दौरा किया। भारत मंडपम में 9-10 सितंबर 2023 को शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। भारत मंडपम के दौरे के समय ठाकुर को कार्यक्रम स्थल पर एमसीआर, स्टूडियो, पीसीआर, पीक्यूआर और सोशल मीडिया रूम का अवलोकन कराया गया।

आयोजन स्थल पर ठाकुर ने कहा कि भारत जी-20 राष्ट्राध्यक्षों के शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने के लिए उत्साहित है। उन्होंने बताया कि देशभर के 60 से अधिक शहरों में 200 से अधिक बैठकें हुई हैं, जिनके प्रति जबरदस्त उत्साह देखा गया है। उन्होंने कहा कि यह किसी कार्यक्रम के आयोजन की ऐतिहासिक पराकाष्ठा है और उन्हें उम्मीद है कि राष्ट्राध्यक्षों का यह शिखर सम्मेलन इतिहास की रचना करेगा।

इंटरनेशनल मीडिया सेंटर की व्यवस्था के बारे में मंत्री महोदय ने कहा कि यहां विश्वस्तरीय सुविधाएं मौजूद हैं और यह नए भारत की शक्ति को प्रदर्शित करता है। भारत की कलात्मक और सांस्कृतिक झलकियों से सेंटर की दीवारें सुशोभित हैं। उल्लेखनीय है कि मीडिया सेंटर भारत मंडपम के निकट है, जहां शिखर सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि मुख्य मीडिया सेंटर, प्रेस वार्ता स्थल का नाम हिमालय है और इसमें 300 से अधिक पत्रकार उपस्थित रह सकते हैं। उन्होंने कहा कि भारत अपनी डिजिटल भुगतान प्रणाली के लिए विश्व स्तर पर पहचाना जाता है और इस तकनीकी कौशल को यहां के मंडपों में प्रदर्शित किया जाएगा।

शिखर सम्मेलन के दौरान भारत की प्रस्तुतियों के बारे में मंत्री महोदय ने कहा, "शिखर सम्मेलन के दौरान भारत अपनी समृद्ध संस्कृति और धरोहर का प्रदर्शन करेगा तथा साथ ही नए भारत की श्रेष्ठ छवि भी पेश करेगा।"

उन्होंने कहा कि जी-20 में दुनिया भर से मीडियाकर्मी जमा होंगे। उन्होंने दुनिया भर के मीडिया समुदाय का गर्मजोशी से स्वागत किया।

कार्यक्रम के प्रसारण की विस्तृत व्यवस्था बनाने के लिए दूरदर्शन की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि दूरदर्शन हवाई अड्डे से भारत मंडपम तक विभिन्न स्थानों पर 78 यूएचडी और 4के कैमरे लगाकर अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। ठाकुर ने कहा कि मीडिया को क्लिन फीड उपलब्ध कराई जाएगी।

भारत पहली दिसंबर, 2022 से "वसुधैव कुटुंबकम" या "एक पृथ्वी · एक परिवार · एक भविष्य" की विषयवस्तु के तहत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है।

उसके बाद से, सदस्य देशों, आमंत्रित देशों और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों सहित दुनिया भर के हजारों प्रतिनिधियों की भागीदारी के साथ पूरे भारत के 60 से अधिक शहरों में लगभग 220 बैठकों का आयोजन हो चुका है।

कार्यक्रम स्थल पर मीडिया की सुविधा के लिए व्यापक इंतजाम किये गये हैं

- मुख्य शिखर सम्मेलन भारत मंडपम में आयोजित होने जा रहा है और इसके निकट अंतर्राष्ट्रीय व्यापार संवर्धन संगठन (आईटीपीओ) परिसर, नई दिल्ली के हॉल नंबर चार और पांच में अंतर्राष्ट्रीय मीडिया सेंटर (आईएमसी) स्थापित किया जा रहा है।
- आधिकारिक कार्यक्रम जैसे आगमन, प्रस्थान, उद्घाटन और समापन समारोह, द्विपक्षीय बैठकें, राष्ट्राध्यक्षों के जीवनसाथियों व परिवारजनों के लिए (एनजीएमए व आईसीएआर) आयोजन और राजघाट पर कार्यक्रम आदि केवल डीडी तथा आधिकारिक विदेशी मीडिया द्वारा कवर किए जाएंगे। सभी को क्लिन फीड उपलब्ध कराई जाएगी।
- आईएमसी के पास सभी प्रकार की सुविधाओं के साथ 2000 से अधिक मीडिया प्रतिनिधियों की मेजबानी करने की क्षमता है।
- आईएमसी आधिकारिक मीडिया सहित सभी घरेलू और विदेशी मीडिया की मेजबानी करेगा।
- केवल मान्यता प्राप्त (पंजीकरण करने वाले सभी लोगों की जांच के बाद प्रदान की गई ऑनलाइन मान्यता) मीडिया कर्मियों को ही आईएमसी में प्रवेश की अनुमति दी जाएगी।

सभी मीडिया कर्मियों के लिए आईएमसी में निम्न सुविधाएं प्रदान की जाएंगी

• इंटरनेट कनेक्टिविटी और प्रिंटर के साथ 1300 से अधिक वर्क-स्टेशन • हाई स्पीड वाईफ़ाई • अंतर्राष्ट्रीय प्रसारण केंद्र (आईबीसी): प्रसार भारती द्वारा रिकॉर्ड किए गए भारत मंडपम से स्वच्छ फ़ीड के लिए • छोटे मीडिया बूथ, 'वन-टू-वन' साक्षात्कार कक्ष • मीडिया ब्रीफिंग रूम (दूतावासों और आधिकारिक मीडिया के लिए 100/50 की क्षमता): जहां विदेशी प्रतिनिधि ब्रीफिंग का आयोजन करेंगे • मीडिया के लिए रिपोर्टिंग के लिए लाइव स्टैंड-अप पोजीशन उपलब्ध हैं • मीडिया लाउंज • सूचना कियोस्क • हेल्प डेस्क • चिकित्सा कक्ष • खाने के कई तरह के विकल्प उपलब्ध होंगे • जेएलएन और आईएमसी के बीच 1400 पार्किंग सुविधाएं और 80 से अधिक शटल बसें चलेंगी।

चंडीगढ़ में चंद्रयान-3 की सफलता का जश्न मनाते हुए सेक्टर-17 प्लाजा में ऊर्जावान फ्लैश मॉब ने प्रदर्शन किया

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

चंद्रयान-3 की शानदार सफलता पर आधारित केंद्रीय संचार ब्यूरो द्वारा सेक्टर 17 प्लाजा में आयोजित एक जीवंत और ऊर्जावान फ्लैश मॉब का आयोजन किया गया। 3 सितंबर, 2023 को हुए इस कार्यक्रम ने उन सभी लोगों पर एक अमिट छाप छोड़ी, जो इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के खुशी के जश्न को देखने के लिए एकत्र हुए थे।

फ्लैश मॉब, नृत्य और उत्साह का एक गतिशील प्रदर्शन, सीबीसी चंडीगढ़ द्वारा प्लाजा के आगंतुकों को चंद्रयान -3 की उल्लेखनीय सफलता के बारे में प्रेरित करने, प्रेरित करने और सूचित करने की एक पहल थी। फ्लैश मॉब की थीम भारत के अंतरिक्ष अन्वेषण प्रयासों की जीत और इस सपने को साकार करने में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका के इर्द-गिर्द घूमती है।

सेक्टर 17 प्लाजा का माहौल अद्भुत था क्योंकि प्रतिभाशाली नर्तकियों ने अपने मनमोहक प्रदर्शन से प्लाजा को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम की शुरुआत इसरो गीत की मधुर धुनों के साथ हुई, जिसने एक विस्मयकारी उत्सव का माहौल तैयार कर दिया। नर्तकों की ऊर्जावान और समकालिक चालों ने इस अविश्वसनीय उपलब्धि को मनाने के लिए उनके समर्पण का प्रदर्शन किया।

फ्लैश मॉब का उद्देश्य न केवल मनोरंजन करना था बल्कि जनता को अंतरिक्ष अभियानों, वैज्ञानिक प्रगति के महत्व के बारे में शिक्षित करना भी था। और इसरो में प्रतिभाशाली दिमागों का समर्पण।

इस कार्यक्रम में प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) राजिंदर चौधरी उपस्थित थे, जिन्होंने इस आयोजन के महत्व पर टिप्पणी की। उन्होंने कहा, "सीबीसी चंडीगढ़ द्वारा आयोजित फ्लैश मॉब कलात्मक अभिव्यक्ति और सामुदायिक जुड़ाव का एक जीवंत उदाहरण है। इस तरह के आयोजन लोगों को एक साथ लाते हैं और हमारे शहर की सांस्कृतिक जीवंतता को बढ़ाते हैं।"

फ्लैश मॉब को प्लाजा के आगंतुकों से उत्साहजनक प्रतिक्रिया मिली, जो कलाकारों के साथ नाचते हुए, उत्सव में सहज रूप से शामिल हो गए। इस कार्यक्रम ने न केवल मनोरंजन किया बल्कि सहज भागीदारी को भी प्रोत्साहित किया, जिससे यह एक सच्चे सामुदायिक उत्सव में बदल गया

कृषि में कार्य के लिए जी20 का आह्वान : भारत के लिए एक अवसर

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

जी20 कृषि मंत्रियों की 16-17 जून, 2023 के दौरान हैदराबाद में आयोजित बैठक में कुछ महत्वपूर्ण सिद्धांतों पर सहमति बनी और कई मोर्चों पर कार्य के लिए गरमजोशी के साथ आह्वान किया गया। खास दिलचस्प बात यह है कि "समावेशी, अनुकूल और सतत कृषि और खाद्य प्रणालियों के विकास के माध्यम से सभी के लिए खाद्य सुरक्षा और पोषण के लिए प्रतिबद्धता" को जारी रखने के लिए विभिन्न अन्य उद्देश्यों को प्राप्त करने के प्रमुख साधन के रूप में डिजिटल रणनीतियों पर जोर दिया जा रहा है। ''इसमें विशेष रूप से भारत के लिए महत्वपूर्ण अनिवार्यताएं और अवसर निहित हैं।

आउटकम दस्तावेज़ में सात विशिष्ट "डेक्कन उच्च स्तरीय सिद्धांत" बताए गए हैं जो वैश्विक खाद्य सुरक्षा संकटों के लिए चल रही विभिन्न प्रतिक्रियाओं के पूरक हैं। इनमें से, सिद्धांत 6 नवाचार और डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग में तेजी लाने की आवश्यकता को रेखांकित करता है। सिद्धांत 7 डिजिटल अवसंरचना में निवेश सहित कृषि में जिम्मेदार सार्वजनिक और निजी निवेश को बढ़ाने के महत्व पर जोर देता है।

कार्य के लिए आह्वान इस बात पर जोर देता है कि आज की दुनिया में, कृषि परिवर्तन के लिए डिजिटलीकरण और समावेशिता महत्वपूर्ण है। इसके बदले में इस क्षेत्र में उपयुक्त डिजिटल अवसंरचना, सार्वभौमिक ब्रॉडबैंड इंटरनेट एक्सेस, डिजिटल अधिकारों और डेटा एक्सेस, उपयोग और गोपनीयता पर नियमों की आवश्यकता होती है। यह घोषणापत्र डिजिटल उपकरणों और प्रौद्योगिकी के प्रसार और किसानों द्वारा इसे अपनाने को बढ़ावा देने सहित क्षमता-वर्धन प्रयासों को मजबूत करने

आर चंद्रशेखर
(लेखक सेंटर फॉर द डिजिटल फ्यूचर के अध्यक्ष, भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी और टेलीकॉम विभाग के पूर्व सचिव और नैसकॉम के पूर्व अध्यक्ष हैं)

के लिए सभी हितधारकों के साथ सहयोग करने की प्रतिबद्धता व्यक्त करता है। यह अनुभवों और अंतर्दृष्टि के आदान-प्रदान के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भी प्रतिबद्ध है।

कार्य के लिए आह्वान उभरती डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके कृषि में नवाचारों को गति देने में मदद करने के लिए डिजिटल अवसंरचना के पर्याप्त सार्वजनिक और निजी वित्तपोषण की आवश्यकता को पहचानता है। यह कृषि और कृषि-खाद्य मूल्य श्रृंखलाओं में उद्यमिता को सक्षम करने पर जोर देने के साथ स्टार्ट-अप, इनक्यूबेटर और एक्सेलेरेटर में जिम्मेदार निवेश बढ़ाने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

मुझे इस कार्यक्रम में "डिजिटली रूप से असंबद्ध लोगों को जोड़ना: कृषि में डिजिटल प्रौद्योगिकियों की शक्ति का उपयोग करना" विषय पर पैनल चर्चा का संचालन करने का सौभाग्य मिला। पैनल में आरडी के अमेरिकी अवर सचिव, मनीला के एडीबी के महानिदेशक, बीएमजीएफ वाशिंगटन के वरिष्ठ प्रतिनिधि और भारतीय कृषि मंत्रालय के अलावा भारत के 3 रोमांचक एग्रीटेक स्टार्टअप प्रमोटर शामिल थे।

एआई की व्यापक शक्ति का लाभ उठाने की क्षमता कृषि क्षेत्र के अलावा किसी अन्य क्षेत्र में अधिक स्पष्ट नहीं है। कृषि में संभावनाएं अपार हैं। इस में शामिल हैं:

- पानी के उपयोग सहित आदानों के उपयोग को इष्टतम करना
- कृषि संबंधी पद्धतियों में सुधार
- बाजारों तक पहुंच बढ़ाना
- सलाहकारी विस्तार सेवाओं में सुधार
- भोजन की क्षति और बर्बादी को कम करना
- जलवायु अनुकूलन और शमन को सक्षम करना
- प्राकृतिक संसाधनों की सुरक्षा और पुनरुद्धार करना

क्षेत्र के परिवर्तन के लिए विविध हितधारकों, डेटा सेट और प्रौद्योगिकियों से जुड़े कई बिंदुओं को जोड़ने की आवश्यकता है, जिनमें भूमि स्वामित्व और उस पर भार, फसल का विकल्प, इनपुट आवश्यकताएं और आपूर्तिकर्ता, जल संसाधन, मृदा और कृषि-जलवायु डेटा, बैंक और ऋण संस्थाएं, फसल बीमा, उपग्रह डेटा, बाजार यार्ड और बाजार की जानकारी, कीटों के हमलों का शीघ्र पता लगाने के लिए एआई उपकरण, आवाज, वीडियो और पाठ संचार से सुसज्जित स्थानीय भाषा में अनुकूलित एआई-सक्षम सलाहकार सेवाएं, मोबाइल टेलीफोनी का लाभ उठाना आदि शामिल हैं। इसलिए इको-सिस्टम स्तर, किसान-केंद्रित, कार्यनीतिक सोच में डिजिटल परिवर्तन को मजबूत करना चाहिए। इसके लिए वितरणात्मक, अनुकूली और खुला डिजिटल पारिस्थितिकी तंत्र एक अनिवार्यता है। भारत भाग्यशाली है कि उसके पास इस परिवर्तन के लिए आवश्यक सभी तीन सामग्रियां हैं:

एआई और आईओटी, बिग डेटा, ड्रोन, ब्लॉकचेन, इंटेलिजेंट सिस्टम, रोबोटिक्स आदि जैसी नई और उभरती प्रौद्योगिकियों में विकसित देश की क्षमताओं के साथ एक संपन्न वैश्विक आईटी उद्योग।

एक जीवंत स्टार्टअप इको-सिस्टम युवा, नए युग के उद्यमियों से भरा हुआ है जो कृषि सहित विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में अत्यधिक नवीन, बेहद फायदेमंद, लाभदायक समाधान तैयार कर रहे हैं, और स्वास्थ्य सेवा, कृषि और अन्य क्षेत्रों में अपरिपक्व स्तर पर अन्य के साथ जनसंख्या के पैमाने पर डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) जैसे आधार, यूपीआई, ओएनडीसी स्थापित करने का विश्व स्तर पर अद्वितीय ट्रैक रिकॉर्ड है।

पैनल में शामिल तीन प्रभावशाली कृषि -तकनीक स्टार्टअप इस अपरिपक्व क्रांति में भारत और निजी क्षेत्र के लिए अवसर के दायरे, लाभ और पैमाने को सबसे अच्छी तरह से दर्शाते हैं जो अभी भारत और अन्य जगहों पर सामने आ रही है। एब्सोल्यूट उद्देश्य अरबों वर्षों के विकास द्वारा विकसित प्रकृति की आविष्कारशील समस्या-समाधान और जटिल संचार क्षमता को कैपच्र करके लागू करने के लिए एआई का उपयोग करना है। वेकूल ने एक विशेष प्लेटफार्म स्थापित किया है जो इस क्षेत्र में वाणिज्य का समर्थन करता है। सम्मुनाती ऐसे समाधान प्रदान करता है जो किसानों को अपनी उपज बेचने के लिए सही समय और स्थान चुनकर अपने वित्तीय रिटर्न को अधिकतम करने में सक्षम बनाता है।

आउटकम दस्तावेज़ में डिजिटल कार्यनीतियों की प्रमुखता के संदर्भ में, यह जानकर संतुष्टि होती है कि यह कृषि पारिस्थितिकी तंत्र और किसान केंद्रित सार्वजनिक और निजी डिजिटल नवप्रवर्तन के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन हेतु उत्प्रेरक बनाने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे को समावेशी बनाने पर भारत के फोकस को दर्शाता है।

भारत कृषि क्षेत्र में बदलाव के लिए नई और उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने में वैश्विक लीडर बन सकता है। सरकार को सावधानीपूर्वक संतुलित लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की जरूरत है: मानक स्थापित करना, आवश्यक नीतियां शुरू करना और महत्वपूर्ण डीपीआई को सुविधाजनक बनाना। लक्ष्य निजी क्षेत्र की ऊर्जा को प्रसारित करते हुए सुसंगतता, एकीकरण और समानता सुनिश्चित करना और क्षेत्र के डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ाने की पहल करना है।

सरकारी खजाने में शराब से राजस्व का बड़ा योगदान

एक तरफ शराब के ठेके खोलो...दूसरी ओर नशा छोड़ो अभियान चलाओ

• **जालंधर ब्रीज.** विशेष रिपोर्ट

पंजाब एक ऐसा राज्य था जिसको परमात्मा की तरफ से ही सेहतमंद होने का वरदान था। लेकिन मौजूदा हालात को देखते हुए कह सकते हैं इसको किसी की नजर लग गई। पंजाब के लोग सेहतमंद रहने के लिए पहले सुबह उठकर घी, दूध, दही, मक्खन आदि का सेवन करते थे और फिर जमकर मेहनत। आज पंजाब के हालात बद से बद्तर हो चुके हैं। युवाओं ने नशे की पूर्ति के लिए कुछ सालों से भुक्की, अफीम, चिट्टा, मेडिकल नशा, सीरिंज आदि का इस्तेमाल शुरू कर दिया है। आए दिन नशे के ओवरडोज से किसी न किसी घर का चिराग बुझ रहा है। पंजाब में चिट्टे का नशा इस कदर फैल चुका है कि बेबस युवा पहले इसे शौक के तौर पर इस्तेमाल करते हैं बाद में इसके आदि हो जाते हैं। इस गंदे धंधे से जुड़े लोग कभी युवाओं को इस जाल से निकलते देखना नहीं चाहते। वे इसी ताक में रहते हैं कि नए-नए युवा इस दलदल में फंसते रहें जिससे नशे के मगरमच्छों का व्यापार फलता-फूलता रहे। समाज में व्याप्त इस बुराई के कारण न जाने कितने ही बेटियों के सुहाग उजड़े, कितने

तस्वीर साभार
Social Media

मां-बाप से उनके बुढ़ापे का सहारा छीन लिया। लेकिन जिसको इस पर नकेल कसनी चाहिए वे आंख मूंदे सब कुछ चुपचाप देखते जा रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने दो हफ्ते में नशों को जड़ से खत्म करने का झूठा वादा किया था, लेकिन उनका झूठ लोगों को रास नहीं आया और चुनाव का नतीजा यह निकला कि कैप्टन अमरिंदर सिंह को लोगों ने घर का रास्ता दिखा दिया। जिक्रयोग्य है कि इसी मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी की सरकार ने चुनाव लड़ा और वो लोगों को आकर्षित करने में कामयाब रहे जिसका नतीजा पंजाब के लोगों ने आम आदमी पार्टी को भारी बहुमत से जिताया। अब आम आदमी पार्टी की सरकार बनने के बाद नशों पर नकेल कसने की बजाय शराब को प्रमोट करने में जुट गई है। आलम यह है कि दूध आपको मिले न मिले, शराब 24 घंटे जहां चाहो वहीं उपलब्ध है। आलम यह है कि मेडिकल शाप से ज्यादा अब शराब की दुकाने हर चौक-चौराहों पर खुल गए हैं। ऐसे में सरकार जिस नशे के खिलाफ अभियान का श्रेय ले रही है, यह स्पष्ट करे कि असल में सरकार नशा मानती किसको है।

अगर मौजूदा सरकार की नजर में शराब नशा नहीं तो ड्रिंक एवं ड्राइव के चालान न करने का नोटिफिकेशन जारी करे। यहां सिर्फ नशे की किस्म बदली है, आदतें वहीं पुरानी हैं। अगर मौजूदा सरकार सच में नशे पर लगाम डालना चाहती है तो उसे गुजरात की तर्ज पर बैन कर देना चाहिए। हालात के हिसाब से कहावत फिट बैठती है...बाप नंबरी तो बेटा दस नंबरी...तात्पर्य यह है... अगर बाप शराब का सेवन करेगा तो बेटा चिट्टे जैसे नशे का ही प्रयोग करेगा। इसको खत्म करने के लिए सरकार को राजस्व के अलग तरीके इजाद करने होंगे ताकि शराब बेचकर एकत्र किए राजस्व को शिक्षा पर ना लगाना पड़े। कोरोना काल में भी सबसे पहले लॉकडाउन खुलने के बाद शराब के ठेकों ने ही सरकार को राजस्व दिया था और लोगों को शराब पीने के लिए मजबूर किया था।

बाजवा ने 'आप' पर जालंधर एसएचओ पर कार्रवाई में देरी का लगाया आरोप

• **जालंधर ब्रीज.** चंडीगढ़

पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता प्रताप सिंह बाजवा ने गुरुवार को आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पर जालंधर के ऐस एच ओ नवदीप सिंह और उनके दो सहयोगियों के खिलाफ कार्रवाई करने में ढीला रवैया अपनाने का आरोप लगाया। वरिष्ठ कांग्रेस नेता बाजवा ने कहा कि आत्महत्या के लिए कथित तौर पर उकसाने के मामले में सभी तीन आरोपी फरार हैं और पंजाब के मुख्यमंत्री-सह-गृह मंत्री भगवंत मान को उनके ठिकाने के बारे में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा कि इतने गंभीर मुद्दे पर लापरवाही बरतते हुए 'आप' सरकार ने 25 अगस्त को आरोपी ऐस एच ओ का ट्रांसफर पुलिस लाइन में कर दिया। फिर उसे बर्खास्त और गिरफ़्तार क्यों नहीं किया जा सकता था? बाजवा ने कहा कि आप सरकार ने जानबूझकर इस मुद्दे को लंबे समय तक लटकाए रखा और कानूनी कार्रवाई से बचने दिया।

विपक्ष के नेता ने कहा कि अब उन्हें बर्खास्त करना और लुक-आउट सर्कुलर जारी करना वास्तव में आप सरकार की देरी से की गई कार्रवाई है। पीड़ित परिवार और मुख्य विपक्षी दल पंजाब कांग्रेस के दबाव के बाद ही सरकार ने यह कार्रवाई की है। बाजवा ने कहा कि प्रशासन की असंवेदनशीलता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मानवजीत सिंह ढिल्लों के शव का पता लगाने के लिए अभी तक कोई प्रयास नहीं किए गए हैं।

जी-20 के मंच के माध्यम से भ्रष्टाचार से निपटना

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

भ्रष्टाचार जैसे गंभीर आर्थिक अपराधों का मुकाबला करने के लिए 'धन का पीछा करो' एक आजमाई हुई रणनीति है। इस लोकाचार के अनुरूप, भारत ने रिश्वत के मामले में पिछले कुछ वर्षों में महत्वपूर्ण उपाय लागू किए हैं। इसके बावजूद, कतिपय कमजोरियां बनी हुई हैं, क्योंकि तेजी से वैश्वीकृत दुनिया में भ्रष्टाचार की कमाई को आसानी से देश की सीमाओं के बाहर ले जाया जा सकता है। अपनी जी-20 अध्यक्षता के दौरान, भारत ने बेहतर और प्रभावी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से इस खामी को दूर करने के अभियान का नेतृत्व किया है।

औपचारिक सहयोग में चुनौतियां : भ्रष्टाचार संबंधी अपराधों पर औपचारिक सहयोग आपराधिक मामलों में पारस्परिक कानूनी सहायता (एमएलए) के जरिए होता है। इसके साथ ही वित्तीय कार्रवाई कार्य बल (एफएटीएफ) सभी देशों से यह उम्मीद करता है कि वे जांच, अभियोजन और संबंधित कार्रवाई के दौरान एमएलए को व्यापकता प्रदान करेंगे, लेकिन मैदानी स्तर पर कार्रवाई हमेशा समय पर नहीं हो पाती है।

उदाहरण के लिए, 12 अगस्त को कोलकाता में तीसरी जी-20 भ्रष्टाचार विरोधी कार्य समूह (एसीडब्ल्यूजी) मंत्रिस्तरीय बैठक के दौरान जारी पारस्परिक कानूनी सहायता 2023 पर जी-20 जवाबदेही रिपोर्ट, कुछ जी-20 देशों के संबंध में एमएलए आग्रहों के समाधान पर रोशनी डालती है। जैसा कि रिपोर्ट से पता चलता है, भारत ने भ्रष्टाचार के मामलों में प्राप्त शत-प्रतिशत एमएलए आग्रहों का समाधान किया है, जबकि भारत के 10 प्रतिशत से भी कम एमएलए आग्रहों का समाधान किया गया है। भ्रष्टाचारियों की एक प्रचलित कार्यप्रणाली यह है कि वे मुखौटा कंपनियों के जाल के पीछे अपनी अवैध कमाई को छुपा लेते हैं। ऐसी संपत्तियों का पता लगाने के लिए सभी देशों को इन कंपनियों से फायदा उठाने वाले मालिकों तक पहुंचने की आवश्यकता होती है। एक बार जब भ्रष्टाचारियों के स्वामित्व वाली संपत्तियों का पता चल जाता है, तो जांचकर्ताओं को संपत्तियों को जब्त करने के लिए मेजबान क्षेत्राधिकार के सहयोग की आवश्यकता होती है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि भ्रष्टाचारी अपने अपराध की कमाई से लाभ न उठा सकें। अभियोजन के मामलों को चलाने के लिए सबूत जमा करने में भी सहयोग की आवश्यकता होती है।

ऋत्विक पांडेय, स्मारक स्वैन
(वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में संयुक्त सचिव और निदेशक हैं।)

भारत ने जी-20 में अपने नेतृत्व के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में खामियों को दूर करने के लिए ठोस प्रयास किए हैं। प्रमुख प्रयासों का वर्णन आगे दिया जा रहा है:

परिसंपत्ति की वसूली : भारत अपराध की कमाई की वसूली और बरामदगी के लिए भ्रष्टाचार विरोधी नीति तैयार करने के संबंध में जी-20 सदस्यों के बीच आम सहमति बनाने में सफल रहा है। भारत ने इस बात पर जोर दिया है कि इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण कदमों में से एक पूर्व-एमएलए परामर्श को सक्रिय रूप से संचालित करना है।

फायदा उठाने वाले मालिकों की जानकारी : एक अनुमान के अनुसार, दुनिया भर में गुमनाम रूप से रखी गई कुल संपत्ति सात ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर और 32 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के बीच है, जो वैश्विक संपत्ति का लगभग 10 प्रतिशत है। यदि किसी अधिकार क्षेत्र के तहत कंपनियों और ट्रस्टों को स्वामित्व और नियंत्रण का खुलासा करने की आवश्यकता नहीं होती है, तो धन छुपाना आसान होता है।

एफएटीएफ ने लाभकारी स्वामित्व पर अपने मानकों के माध्यम से पारदर्शिता में सुधार का मार्ग प्रशस्त किया है, जिन्हें हाल ही में संशोधित किया गया था।

वर्चुअल संपत्ति : अक्टूबर, 2022 में एक सरकारी इंजीनियर पर भ्रष्टाचार के एक मामले में ओडिशा के सतर्कता विभाग ने छापा मारा था। उसके पास से 1.75 करोड़ रुपए कीमत की क्रिप्टोकरेंसी पाई गई, जो उसके आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक कीमत की थी। बाद में उस इंजीनियर को आय के स्रोतों से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था। इस मामले से बेनामी वाली वर्चुअल संपत्तियों के बारे में पता लगता है। वर्चुअल संपत्तियों के रूप में धन छुपाने के लिए ब्लॉकचेन-आधारित प्रणालियों के कारण उनका पता लगाने तथा उनकी बरामदगी नई चुनौती के रूप में समाने आती है।

वर्चुअल संपत्तियों से जुड़े विभिन्न जोखिमों को ध्यान में रखते हुए भारत ने वर्चुअल संपत्तियों के विनियमन के संबंध में एक व्यापक वैश्विक नीति के विकास के लिए जी-20 के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों (एफएमसीबीजी) को नियोजित किया है। इस व्यापक नीति में वित्तीय अखंडता बनाए रखने और वर्चुअल संपत्तियों के संबंध में पारदर्शिता में सुधार के लिए प्रासंगिक विनियमन के तत्व शामिल होंगे।

भ्रष्टाचार विरोधी पहल की मुख्यधारा में लैंगिक समानता का समावेश

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

भ्रष्टाचार एक ऐसा नैतिक संकट है जो शासन के विभिन्न स्तंभों को खोखला कर देता है, विकास को बाधित करता है और जनता के विश्वास को खत्म कर देता है। लंबे समय से भ्रष्टाचार को "लैंगिक दृष्टि से निरपेक्ष" विषय के रूप में देखा जाता रहा है, लेकिन इधर इस तथ्य पर बहुत तेजी से ध्यान दिया गया है कि भ्रष्टाचार को लेकर महिलाओं और पुरुषों के अनुभव स्पष्ट रूप से अलग-अलग होते हैं। भ्रष्टाचार के दूरगामी निहितार्थ होते हैं, जो पुरुषों और महिलाओं दोनों को प्रभावित करते हैं। लेकिन ये महिलाएं ही हैं जिन्हें इसका बोझ असंगत तरीके से ढोना पड़ता है। भ्रष्टाचार कोई अलग-थलग मुद्दा नहीं है। बल्कि इसमें लैंगिक आयाम जुड़ा हुआ है, जो असमानता को कायम रखता है और शक्ति के असंतुलन को मजबूत करता है। अंतरवर्गीय दृष्टिकोण अपनाकर लैंगिक समानता को प्रभावी ढंग से मुख्यधारा में लाना और किसी का भी पीछे न छूटना सुनिश्चित हो सकेगा।

डब्ल्यू20, जी20 का एक आधिकारिक सहभागिता समूह (एंगेजमेंट ग्रुप) है। इस समूह का प्राथमिक उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि लैंगिक समानता के विचारों का जी20 की मुख्यधारा की चर्चाओं में समावेश हो और इन विचारों को जी20 नेताओं की घोषणाओं में लैंगिक समानता को बढ़ावा देनेवाली नीतियों व प्रतिबद्धताओं के रूप में रूपांतरित किया जाए। डब्ल्यू20 ने अपने कार्यों को सतत विकास लक्ष्यों के अनुरूप ढाला है और वह विभिन्न हितधारकों के साथ मिलकर काम करता है जिसमें दूरदराज के आदिवासी गांवों से लेकर शहरी इलाकों तक के जनजीवन के सभी क्षेत्रों से जुड़ी महिलाएं एवं पुरुष शामिल हैं।

जी20 की भारत की अध्यक्षता के दौरान, डब्ल्यू20 इंडिया ने ऑनलाइन वेबिनार के माध्यम से 80,000 महिलाओं

धारीत्री पटनायक
(मुख्य समन्वयक, डब्ल्यू20 इंडिया)

तक सीधे पहुंचते हुए भारत के 15 राज्यों और वैश्विक स्तर पर 200 से अधिक जनभागीदारी कार्यक्रमों का आयोजन किया है। अगले तीन वर्षों में दस लाख महिलाओं एवं लड़कियों को प्रशिक्षित करने हेतु एक कार्रवाई-उन्मुख डिजिटल कौशल पहल भी शुरू की गई है। डब्ल्यू20 ने महिलाओं के नेतृत्व में विकास से संबंधित प्रथम उत्तरदायी ढांचा और एक सार-संग्रह तैयार किया। डब्ल्यू20 ने इक्कीस ज्ञान साझेदारों के साथ मिलकर काम किया है, जिनमें जमीनी स्तर के संगठनों से लेकर वैश्विक स्तर के परामर्शदाता शामिल हैं। भारत के माननीय प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण और डब्ल्यू20 के पहले के कार्यों के आधार पर निर्धारित किए गए पांच प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में जमीनी स्तर पर महिलाओं का नेतृत्व, छोटे एवं मध्यम स्तर के उद्यमों के लिए उद्यमिता, शिक्षा एवं कौशल विकास, लैंगिक आधार पर व्याप्त डिजिटल अंतराल को पाटना और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्र में महिलाओं एवं लड़कियों को पर्यावरणीय बदलाव के वाहक (इको चेंजमेकर) के रूप में उभारना शामिल है।

डब्ल्यू20, सी20, टी20, बी20 जैसे सहभागिता समूह जी20 के सदस्यों के साथ भागीदारी करना और उनकी नीतिगत चर्चाओं एवंकार्यान्वन से जुड़ी पहलों का समर्थन करना जारी रखेंगे। इन समूहों को सभी क्षेत्रों में भ्रष्टाचार से लड़ने में लैंगिक समानता एवं महिलाओं के सशक्तिकरण को आगे बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए और विभिन्न सरकारी व निजी क्षेत्रों में लैंगिक आधार पर होने वाले भ्रष्टाचार के प्रभावों का आकलन करके इस बारे में जागरूकता फैलानी चाहिए कि भ्रष्टाचार कैसे पुरुषों और महिलाओं को अलग-अलग तरीके से प्रभावित करता है। इन सहभागिता समूहों को जमीनी स्तर पर डिजिटल और भ्रष्टाचार विरोधी प्रशिक्षण कार्यक्रम भी शुरू करना चाहिए।

भ्रष्टाचार और लैंगिक असमानता के खिलाफ लड़ाई केवल एक नैतिक दायित्व ही नहीं है, बल्कि यह प्रगति के लिए बेहद महत्वपूर्ण भी है। लैंगिक आधार पर होने वाले भ्रष्टाचार के प्रभावों पर ध्यान देकर, हम असमानता को कायम रखने वाले दुष्चक्र को तोड़ सकते हैं और लैंगिक समानता के प्रति अधिक संवेदनशील भ्रष्टाचार विरोधी पहल एवं नीतियों में योगदान करने का लक्ष्य हासिल कर सकते हैं। अब जी20 सदस्यों के लिए समय आ गया है कि 'भ्रष्टाचार विरोधी पहल की मुख्यधारा में लैंगिक समानता के समावेश' विषय से जुड़े सभी हितधारकों द्वारा किए गए कार्यों को आगे बढ़ाया जाए और लैंगिक समानता एवं भ्रष्टाचार से संबंधित मुद्दों पर गौर करते हुए कुछ ठोस नतीजे पेश किए जाएं।

कोलंबो के स्टेडियम में टीम इंडिया के आंकड़े शानदार, रोहित-कोहली का बोलता है बल्ला

भारत-पाकिस्तान के बीच मुकाबला 10 सितंबर को

• फोटो-बीसीसीआई

कोलंबो. एशिया कप के सुपर-4 के मुकाबले में 10 सितंबर को भारत बनाम पाकिस्तान के बीच कड़ी भिड़ंत होगी। ये मुकाबला कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं भारतीय टीम के आर प्रेमदासा स्टेडियम में आंकड़े अच्छे हैं। इस स्टेडियम में भारतीय टीम के नाम वनडे में सबसे बड़ा स्कोर बनाने का रिकॉर्ड भी है। बता दें कि, भारत और पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में दूसरी बार एक-दूसरे से भिड़ रहे हैं। हालांकि, इससे पहले कैंडी में खेले गए दोनों देशों का मुकाबला बारिश की भेंट चढ़ गया था। लेकिन उस मुकाबले में पाकिस्तान गेंदबाज टीम इंडिया के टॉप ऑर्डर पर भारी पड़े थे। वहीं कोलंबो के स्टेडियम में भारतीय टीम का पुराना रिकॉर्ड काफी मजबूत है।

टीम इंडिया के नाम सबसे बड़ा स्कोर बनाने का रिकॉर्ड : प्रेमदासा स्टेडियम के वनडे इतिहास में अबतक भारतीय टीम ने सबसे बड़ा स्कोर 375 रनों का बनाया है। सिर्फ एक नहीं बल्कि पांच बड़े स्कोर में से तीन बड़े स्कोर टीम इंडिया के नाम ही दर्ज हैं। टीम इंडिया ने अभी तक इस स्टेडियम में 46 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से 23 में भारत को जीत मिली है।

कोहली-रोहित खेल चुके हैं बेहतरीन पारियां : वहीं इस मैदान पर भारत ने आखिरी वनडे मुकाबला साल 2017 में विराट कोहली की कप्तानी में खेला था। श्रीलंका के खिलाफ खेले गए उस मुकाबले में भारत ने कुल 375 रन बनाए थे जो इस मैदान पर किसी टीम का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। इस मैच में विराट कोहली और रोहित शर्मा ने शतकीय पारियां खेली थी। मैच में विराट कोहली ने 131 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी। जबकि रोहित शर्मा ने 104 रनों की पारी खेली थी।

भारत का जी- 20 कार्य समूह एक समावेशी, सुरक्षित, सामूहिक भविष्य की दिशा में उल्लेखनीय कदम है

• **जालंधर ब्रीज.** नई दिल्ली

विश्वय भर में व्यापक स्तनर पर जीवन, आजीविका और अवसंरचना पर सुनामी और भूकंप जैसे भू-भौतिकीय जोखिमों और लगातार बढ़ते तीव्र चरम जलवायु और मौसम की आपदाओं का खतरा बना हुआ है। एक दूसरे से जुड़ी दुनिया में, कोई भी देश और कोई अर्थव्यवस्था इससे अछूती नहीं है। इन बढ़ते खतरों को आपदाओं में बदलने से रोकने के लिए त्वनरित समाधान और अभूतपूर्व वैश्विक सहयोग की आवश्यकता है। भारत ने अपनी जी-20 अध्यक्षता के तहत आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर जी-20 कार्य समूह की स्थापना करके आपदा जोखिम प्रबंधन के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इस समूह ने आपदा और जलवायु जोखिमों के लिए वैश्विक अनुकूलता का निर्माण करने की रणनीतियों पर विचार-विमर्श करने के लिए विश्वु की बीस सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं को एकजुट किया है। वर्ष 2023 इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह आपदा जोखिम न्यूनीकरण 2015-2030 के लिए सेंडाई फ्रेमवर्क के मध्य बिंदु को चिह्नित करता है। सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आपदा जोखिम में कमी के महत्व को मान्यता देने के लिए 187 देशों द्वारा 2015 में फ्रेमवर्क को अपनाया गया था।

वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री मोदी ने आपदा जोखिम में कमी के लिए दस-सूत्री एजेंडे को रेखांकित किया। दस सूत्री एजेंडे में आपदा जोखिम प्रबंधन में महिलाओं के नेतृत्व पर जोर दिया जा रहा है। वर्ष 2019 में, भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना को संशोधित किया ताकि कई जेंडर-उत्तरदायी उपायों को शामिल किया जा सके। इनमें आपदा के बाद पुनर्निर्माण कार्यक्रमों के तहत निर्मित घरों को परिवारों के पुरुष और महिला दोनों प्रमुखों के नाम पर संयुक्त रूप से पंजीकृत करना - और यह देखते हुए कि आपदा के बाद पुनर्निर्माण को "इस

कमल किशोर और सुसान फग्र्यूसन
(राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सदस्य व संयुक्त राष्ट्र महिला भारत की प्रतिनिधि हैं।)

तरह से नए सिरे से निर्माण का अवसर प्रदान किया जाना चाहिए, जो महिलाओं और लड़कियों के लिए समावेशी हो और महिलाओं को नेतृत्व की भूमिका निभाने के अवसर प्रदान करता हो, शामिल है"।

आपदा जोखिम न्यूनीकरण और अनुकूलता में महिलाओं की भूमिका : आपदा जोखिम में कमी लाने के लिए महिलाओं की भागीदारी और लैंगिक जवाबदेही पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है क्योंकि जलवायु और आपदा जोखिमों के प्रति स्थानीय अनुकूलता को सुदृढ़ बनाने में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और फिर भी वे इन जोखिमों के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील हैं।

उदाहरण के लिए विचार करें कि कैसे भारत के कई तटीय समुदायों, जैसे कि सुंदरबन क्षेत्र, में महिलाओं ने मैनग्रोव की बहाली और निरंतर प्रबंधन का नेतृत्व किया है और इस प्रकार कई अतिव्यापी जोखिमों को दूर किया है। सबसे पहले, मैनग्रोव तटीय क्षेत्रों में चक्रवात, तूफ़ान और बाढ़ से प्राकृतिक सुरक्षा प्रदान करते हैं। दूसरा, मैनग्रोव महत्वपूर्ण कार्बन सिंक के रूप में कार्य करते हैं और इस प्रकार जलवायु परिवर्तन शमन में योगदान करते हैं। तीसरा, मैनग्रोव स्थानीय मछली इको सिस्टेम को बनाए रखते हैं और इस प्रकार स्थानीय समुदायों को आर्थिक आजीविका और खाद्य सुरक्षा प्रदान करते हैं। विश्व भर में, विशेष रूप से विकासशील देशों (ग्लोबल साउथ) में महिलाओं द्वारा की गई ऐसी अनगिनत पहलें दर्शाती हैं कि कैसे महिलाओं को अक्सर इन जोखिमों के प्रभावी प्रबंधन को व्यवस्थित करने की क्षमता के साथ-साथ आपदा जोखिम के वाहकों के बीच संबंधों की सूक्ष्म समझ होती है।

फिर भी यह उन सामाजिक मानदंडों के कारण भी है जो अक्सर हमारी लैंगिक भूमिकाओं को प्रभावित करते हैं और अक्सर महिलाओं को आपदा और जलवायु जोखिमों के बीच में रखते हैं। महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर जी-20 की भारतीय अध्यक्षता के फोकस ने अधिक देशों को पर्याप्त संसाधन - वित्त, प्रौद्योगिकी, ज्ञान और संस्थागत क्षमता जुटाने के लिए प्रोत्साहित करके समावेशी आपदा जोखिम कटौती पर वैश्विक कार्रवाई को आगे बढ़ाने में मदद की है।

इन संसाधनों का प्रभावी ढंग से लाभ उठाने के लिए पहला त्वेरित कदम आपदा पूर्व और बाद की दोनों स्थितियों में जेंडर, आयु और विकलांगता के अलग-अलग डेटा संग्रह और जेंडर-उत्तरदायी सामाजिक-आर्थिक आकलन की क्षमता में निवेश करना है। इसके अतिरिक्त-, स्थानीय स्तर पर इन प्रयासों का नेतृत्व करने के लिए महिलाओं को प्रशिक्षित करने से न केवल प्रचलित सामाजिक मानदंडों के अनुसार डेटा एकत्र करने में मदद मिलेगी, बल्कि स्थानीय जोखिम और अनुकूलता की प्रकृति के बारे में अधिक व्यापक जानकारी भी मिलेगी।

इसके बाद, जमीनी स्तर पर महिलाओं और महिला समूहों द्वारा की जा रही युक्तियों में निवेश में तेजी लाकर और स्थानीय, राष्ट्रीय तथा क्षेत्रीय स्तर पर निर्णय लेने में महिलाओं की भागीदारी के लिए संस्थागत तंत्र स्थापित करके इस डेटा का निर्माण करना महत्वपूर्ण है। अगले सात वर्षों में, हमें 2030 तक सेंडई फ्रेमवर्क के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए जी-20 भारत की अध्यक्षता द्वारा सृजित अवसरों का और आपदा जोखिम प्रबंधन में महिलाओं की आवाज, एजेंसी और नेतृत्व का लाभ उठाना चाहिए। हमें उम्मीद है कि ब्राजील, जो अगले साल जी20 की अध्यक्षता करेगा, डीआरआर कार्य समूह की विरासत को आगे बढ़ाएगा और आपदा योजना तथा तैयारियों के लिए महिलाओं, स्वदेशी और स्थानीय समुदायों तथा अन्य निर्बल समूहों की आवाज उठाना जारी रखेगा।

Printed, Published & Owner by ATUL SHARMA & Printed at SARANGLE PRINTERS, BASTI GUZAN JALANDHAR (PUNJAB) and Published from ATUL SHARMA, NN453 GOPAL NAGAR JALANDHAR (PUNJAB)
Editor : ATUL SHARMA*
*Responsible for selection of News under the PRB ACT. PUNHIN/2019/77863, All Rights Reserved. Reproduction in whole or in Part without permission is prohibited. All disputes shall be settled at Jalandhar jurisdiction only.